vinetur

OIV का अनुमान : 2026 में वैश्विक वाइन उत्पादन 225 मिलियन हेक्टोलिटर

शुरुआती अनुमान के मुताबिक, वैश्विक वाइन उत्पादन लगातार चौथे साल पांच-वर्षीय औसत से 7% कम रहेगा ; स्पेन में इसके उलट बढ़ोतरी

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



अंतरराष्ट्रीय अंगूर एवं वाइन संगठन (OIV) के नए आंकड़ों के अनुसार, 2026 की फसल से वैश्विक वाइन उत्पादन 225 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है। यह स्तर लगातार चौथे साल उत्पादन को हाल के सामान्य स्तर से नीचे रखेगा।

बुधवार, 18 नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति और अपनी World Wine Production Outlook 2026 रिपोर्ट में OIV ने कहा कि इस साल वैश्विक वाइन उत्पादन का केंद्रीय अनुमान 225 मिलियन हेक्टोलिटर है, जबकि इसकी संभावित सीमा 220 मिलियन से 230 मिलियन हेक्टोलिटर तक है। यह अनुमान केवल वाइन को शामिल करता है और जूस तथा मस्ट को नहीं।

संगठन ने कहा कि इस स्तर पर विश्व उत्पादन पिछले पांच वर्षों के औसत से करीब 7% कम रहेगा। यह नतीजा कई कमजोर फसलों के बाद आपूर्ति में लगातार हो रहे समायोजन की ओर संकेत करता है, हालांकि सबसे बड़े उत्पादक देशों में हालात में काफी अंतर रहा।

स्पेन इसका एक प्रमुख अपवाद रहा। OIV ने 2026 में स्पेन का वाइन उत्पादन 32.6 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान लगाया, जो 2025 से 13% अधिक और उसके पांच-वर्षीय औसत से 2% ऊपर है। कई अन्य बड़े उत्पादक देशों में गिरावट के उलट यह उछाल उल्लेखनीय है और दुनिया के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं से निर्यात के लिए उपलब्ध वाइन की मात्रा को प्रभावित कर सकता है।

OIV द्वारा जारी आंकड़ों में अब भी सबसे बड़ा उत्पादक इटली का उत्पादन 41.0 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है। यह 2025 से 8% कम और देश के पांच-वर्षीय औसत से 10% नीचे है। अमेरिका का उत्पादन 19.0 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो 2025 से 5% और उसके पांच-वर्षीय औसत से 18% कम है। ऑस्ट्रेलिया का उत्पादन 9.1 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है, जो 2025 से 19% और उसके हालिया औसत से 23% नीचे है।

OIV ने कहा कि प्रतिशतों की गणना उन अधिक सटीक मूल आंकड़ों के आधार पर की गई है, जबकि तालिकाओं में दिखाई गई उत्पादन मात्रा को पूर्णांक में दर्शाया गया है। इसलिए प्रतिशत में बदलाव, पूर्णांकित आंकड़ों से की गई साधारण गणना से हमेशा पूरी तरह मेल नहीं खाते।

नवीनतम अनुमान इस बात के और संकेत देता है कि वैश्विक वाइन क्षेत्र अब भी सीमित उत्पादन के दौर से गुजर रहा है। लगातार चार साल तक उत्पादन का हालिया औसत से कम रहना बताता है कि कमजोर फसलें अब कोई एक बार की घटना नहीं हैं। इसके बावजूद, 2026 की तस्वीर एकसमान नहीं है। स्पेन की वापसी इटली, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में गिरावट के उलट है और दिखाती है कि राष्ट्रीय स्तर के नतीजे अब भी स्थानीय उत्पादन परिस्थितियों पर काफी निर्भर करते हैं।

इस अंतर का व्यापार पर असर पड़ता है। यूरोप के सबसे बड़े निर्यातक, खासकर इटली और स्पेन, वैश्विक आपूर्ति में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। स्पेन की बेहतर फसल से निर्यात के लिए उपलब्ध वाइन की मात्रा बढ़ सकती है, जबकि इटली की छोटी फसल कुछ वर्गों में आपूर्ति की गुंजाइश सीमित कर सकती है। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कम उत्पादन से इन मूल देशों से आने वाली आपूर्ति भी घट सकती है। हालांकि, OIV के आंकड़े अपने आप में कीमतों के रुझान का संकेत नहीं देते, क्योंकि बाजार पर खपत के रुझानों और मौजूदा भंडार का भी असर पड़ता है।

OIV ने 2026 के आंकड़ों को शुरुआती अनुमान के रूप में पेश किया। ये उन देशों के आंकड़ों पर आधारित हैं, जो वैश्विक वाइन उत्पादन का करीब 95% हिस्सा रखते हैं। किसी भी शुरुआती फसल अनुमान की तरह, देशों से अधिक संपूर्ण जानकारी मिलने पर इन आंकड़ों में संशोधन संभव है।

जारी सामग्री में वैश्विक उत्पादन के साल-दर-साल बदलाव को लेकर भी विसंगति थी। 18 नवंबर की विज्ञप्ति में दुनिया भर में 2025 की तुलना में करीब 1% गिरावट का उल्लेख था, जबकि आउटलुक रिपोर्ट में 0.4% की गिरावट बताई गई। दोनों दस्तावेजों में उत्पादन का केंद्रीय अनुमान 225 मिलियन हेक्टोलिटर ही था, लेकिन सालाना दरों में अंतर के कारण OIV के मौजूदा प्रकाशनों के आधार पर 2025 से वैश्विक उत्पादन में हुए सटीक बदलाव का पता स्पष्ट रूप से नहीं चलता।

इस विसंगति के बावजूद, रिपोर्ट का व्यापक संदेश स्पष्ट है। विश्व वाइन उत्पादन हाल के मानकों के लिहाज से कम है और 2026 की फसल औसत स्तरों पर पूरी वापसी का संकेत नहीं देती। OIV का अनुमान बताता है कि बाजार में पिछले दशक के अधिकांश समय की तुलना में उत्पादन सीमित बना रहेगा, जबकि प्रमुख उत्पादक देशों के बीच संतुलन बदल रहा है।

उत्पादकों, निर्यातकों और खरीदारों के लिए देशों के अनुसार ब्योरा वैश्विक कुल जितना ही अहम हो सकता है। स्पेन की

वापसी से कमजोर साल के बाद निर्यात बाजारों में उसकी मौजूदगी बढ़ सकती है, जबकि इटली, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कम उत्पादन का असर उत्पादों के मिश्रण, अनुबंधों के तहत उपलब्धता और खेपों के रुझान पर पड़ सकता है। व्यापार जगत इन बदलावों पर करीब से नजर रखेगा, खासकर ऐसे बाजार में जहां आपूर्ति समीकरण का केवल एक पहलू है और मांग भी बदल रही है।

OIV ने इस अनुमान के साथ कोई मौद्रिक मूल्य नहीं दिया है ; 2026 की फसल के लिए सूचक केवल मिलियन हेक्टोलिटर में मापा गया है। जारी रिपोर्ट कीमतों, राजस्व या व्यापार मूल्य के बजाय भौतिक उत्पादन पर केंद्रित है। फिर भी, ये आंकड़े इस बात के शुरुआती प्रमुख संकेतों में से एक हैं कि मौजूदा फसल से दुनिया में कितनी वाइन उपलब्ध होने की संभावना है और उसकी आपूर्ति कहां से आ रही है।